

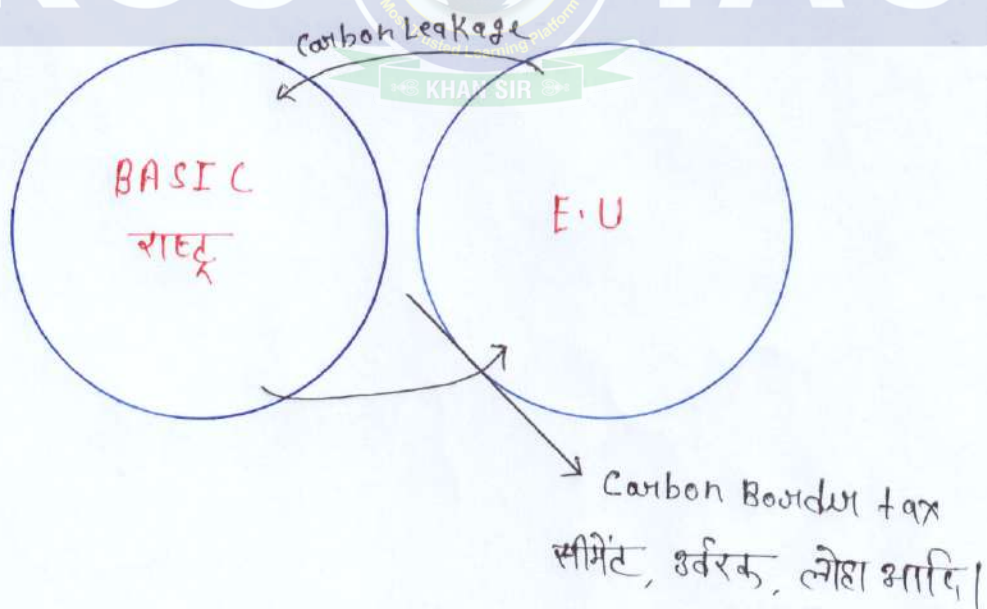
Carbon Border Tax

Carbon Leakage को रोकने के लिए E.U द्वारा 2026 से कार्बन सघन वस्तुओं (जैसे कि सीमेंट, इस्पात, आयरन आदि) के आयातों पर लगाया जाने वाला एक कर।

Note:-

BASIC राष्ट्र (ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत, श्रीलंका, चीन) इसका विरोध कर रहे हैं।

यह ध्यान देने योग्य है कि 1 अक्टूबर 2023 से इस कर की रिपोर्टिंग अवस्था शुरू हो चुकी है।



Carbon Credit (कार्बन क्रेडिट)

एक टन CO_2 को पर्यावरण में अवशोषित करने के प्रयास को कार्बन क्रेडिट कहते हैं।

ग्रीन प्रोजेक्ट्स (जैसे की सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि) में निवेश करके इन्हें अर्जित किया जा सकता है। उपर्युक्त के अलावा आवंटित मात्रा से कम CO_2 का उत्सर्जन करके भी इन्हें अर्जित किया जा सकता है।

कार्बन क्रेडिट का व्यापार किया जा सकता है। जो कंपनियाँ अधिक मात्रा में CO_2 का उत्सर्जन करती हैं उन्हें कार्बन क्रेडिट खरीदने पड़ते हैं।

Note:- कुछ लोगों के अनुसार कार्बन क्रेडिट की अवधारणा प्रदूषण के स्तर को प्रभावी रूप से कम नहीं कर पाती है।

Greenwashing :- [PT-2022]

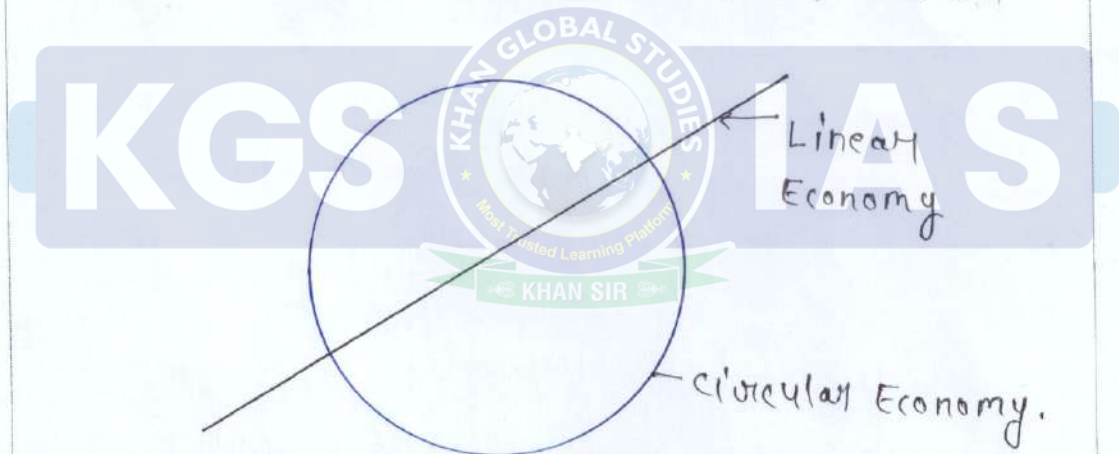
वह प्रक्रिया जिसके अन्तर्गत कंपनियाँ सत बात का दिखावा करती हैं कि उनके उत्पाद पर्यावरण मित्र हैं जबकि वस्तु दरिद्री ऐसी नहीं होती है।

Circular Economy

Recycling, Reuse, Repair, Refurbishment
Sharing आदि को मुख्य आधार बनाने वाली
अर्थव्यवस्था को wastage को रोकने पर ध्यान
देती है।

Linear Economy :-

Take, Make & Dispose पर आधारित
अर्थव्यवस्था जिसमें संसाधन बर्बाद होते रहते हैं।



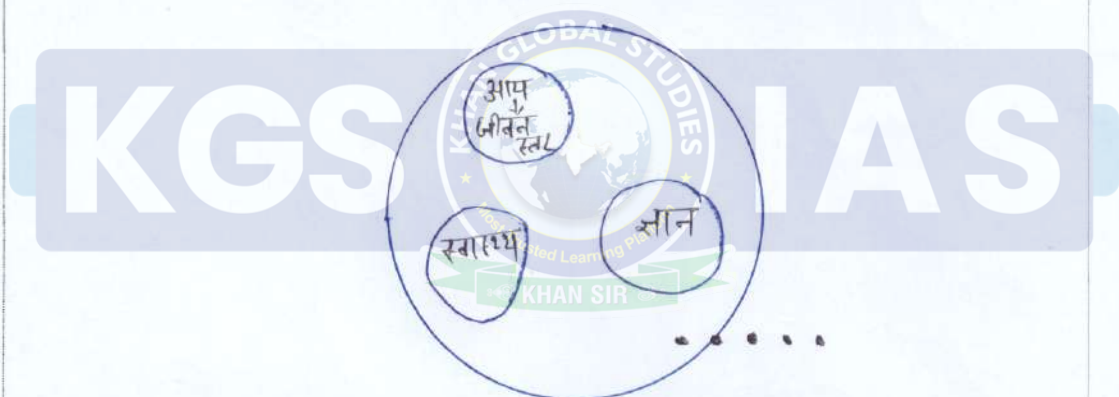
संवृद्धि (Growth) vs विकास (Development) :

मात्रात्मक होती है और उत्पादन अथवा आय में होने
वाले परिवर्तनों को प्रदर्शित करती है।

विकास, गुणात्मक होता है तथा जीवन की
गुणवत्ता (Quality of Life) को प्रदर्शित करता है।

जीवन की अच्छी गुणवत्ता में आय श्रयता उत्पादन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है लेकिन इसके बावजूद उन्हें पर्याप्त नहीं माना जा सकता है क्योंकि जीवन की अच्छी गुणवत्ता में स्वास्थ्य, ज्ञान आदि का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है।

विकास में इन सभी आयामों को ध्यान में रखा जाता है दूसरे शब्दों में आय और उत्पादन के साथ-साथ स्वास्थ्य, ज्ञान आदि को भी ध्यान में रखा जाता है। इसे एक चित्र द्वारा दिखाया जा सकता है:-



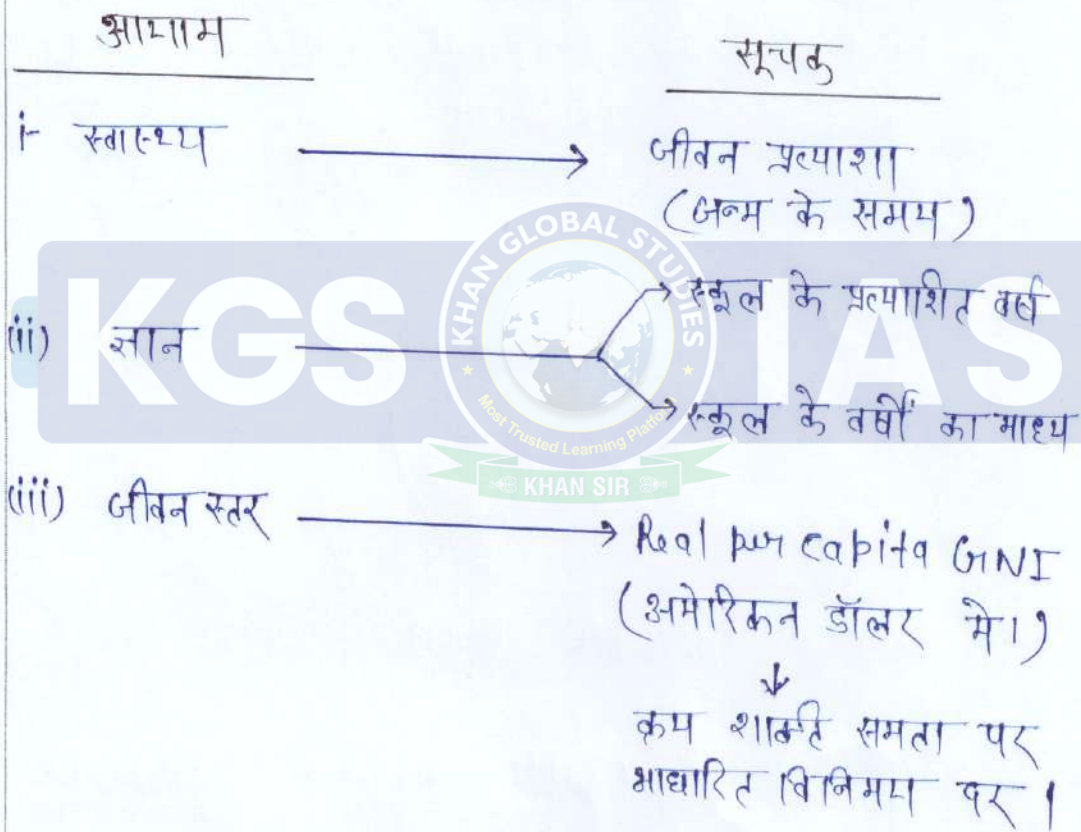
विकास = जीवन की गुणवत्ता

मानव विकास सूचकांक (HDI) :-

विकास गुणात्मक होता है इसलिए उसे गणितीय रूप से नहीं मापा जा सकता है लेकिन मोटे रूप में उसकी स्थिति और दिशा को समझने के लिए UNDP द्वारा 1990 से HDI का निर्माण किया जा रहा है।

HDI के निर्माण में पाकिस्तान के अर्थशास्त्री प्रो० महबूब-उल-हक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, हालांकि उनके लिए प्रो० अमर्त्य सेन के विचार प्रेरणा के मुख्य स्रोत रहे हैं

HDI के निर्माण में निम्नलिखित आयामों और सूचकों का प्रयोग किया जाता है



HDR - 2023/24 & India

- (i) जीवन प्रत्याशा - 67.7 वर्ष
- (ii) स्कूल के प्रत्याशित वर्ष - 12.6 वर्ष

(iii) स्कूल के वर्षों का माध्य - 6.6 वर्ष ।

(iv) Real per capita GNI - 6951 डॉलर

(v) HDI Value - 0.644 (0.633)

(vi) Rank. - 134 वीं (193 में से)

(vii) Category - मध्यम मानव विकास

± HDI (विषमता समापोजित मानव विकास सूचकांक :-

HDI के निर्माण में उपयुक्त होने वाले विभिन्न सूचकों के स्तर पर पाई जाने वाली विषमताओं को नकारात्मक मानते हुए समापोजित करता है। इससे HDI का मूल्य नीचे आ जाता है-

IHDI for India - 0.444

(HDI) - 0.644

इस प्रकार, विषमताओं के कारण भारत के HDI के मूल्य में 31.1 प्रतिशत की गिरावट आ जाती है

नोट :-

UNDP द्वारा 2010 में IHDI शुरू किया गया था।

GDI - Gender Development Index :-

HDI for females

HDI for males

$$\text{भारत (HDR - 2023/24)} - \frac{0.582}{0.684} = 0.852$$

नोट :-

UNDP द्वारा इसे 2014 में लागू किया गया।

PHDI - Planetary pressure adjusted Human Development Index

यह निम्नलिखित का HDI में नकारात्मक समापोदन करता है -

- (i) Material Foot print (प्रति व्यक्ति, उत्पादन में)
- (ii) CO₂ उत्सर्जन (प्रति व्यक्ति उत्पादन में।)

भारत : HDR - 2023-24

$$\downarrow$$
$$\text{PHDI} = 0.625 \text{ (0.644)}$$